



Hemant



Shakshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121092901

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29/12/1998 :	जन्म तिथि	: 09/04/2000
मंगलवार :	दिन	: रविवार
घंटे 13:00:00 :	जन्म समय	: 18:45:00 घंटे
घटी 14:23:19 :	जन्म समय(घटी)	: 31:49:02 घटी
India :	देश	: India
Shamli :	स्थान	: Saharanpur
29:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:58:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:14:40 :	सूर्योदय	: 05:59:59
17:30:55 :	सूर्यास्त	: 18:43:12
23:50:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:23
मेष :	लग्न	: कन्या
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मेष :	राशि	: वृष
मंगल :	राशि-स्वामी	: शुक्र
भरणी :	नक्षत्र	: मृगशिरा
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 2
सिद्ध :	योग	: शोभन
विष्टि :	करण	: कौलव
ले-लेखपाल :	जन्म नामाक्षर	: वो-वोहिनी
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष
क्षत्रिय :	वर्ण	: वैश्य
चतुष्पाद :	वश्य	: चतुष्पाद
गज :	योनि	: सर्प
मनुष्य :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मृग :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शुक्र 7वर्ष 8मा 6दि
मंगल

05/09/2022

05/09/2029

मंगल	01/02/2023
राहु	20/02/2024
गुरु	26/01/2025
शनि	07/03/2026
बुध	04/03/2027
केतु	31/07/2027
शुक्र	29/09/2028
सूर्य	04/02/2029
चन्द्र	05/09/2029

अंश

00:46:20
13:31:39
21:32:35
23:12:09
23:44:27
27:42:55
28:10:23
02:55:40
29:19:00
29:19:00
16:58:43
07:07:22
15:10:47

राशि

मेष
धनु
मेष
कन्या
वृश्चि
कुंभ
धनु
मेष व
कर्क व
मक व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो व

राशि

कन्या
मीन
वृष
मेष
मीन
मेष
मीन
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

27:20:07
26:07:58
29:35:51
18:53:03
01:04:51
17:16:14
09:34:09
22:38:49
06:06:45
06:06:45
26:07:45
12:29:17
18:52:24

विंशोत्तरी

मंगल 3वर्ष 8मा 16दि
गुरु

25/12/2021

25/12/2037

गुरु	13/02/2024
शनि	26/08/2026
बुध	01/12/2028
केतु	07/11/2029
शुक्र	08/07/2032
सूर्य	26/04/2033
चन्द्र	26/08/2034
मंगल	02/08/2035
राहु	25/12/2037

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

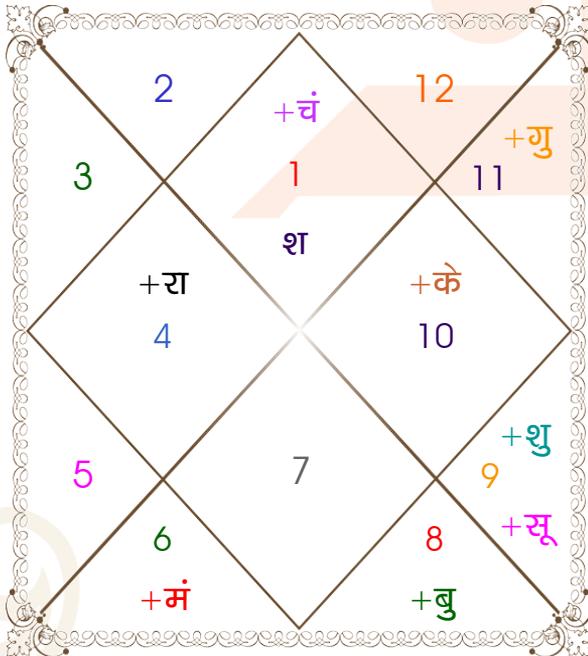
राहु : स्पष्ट

23:50:25

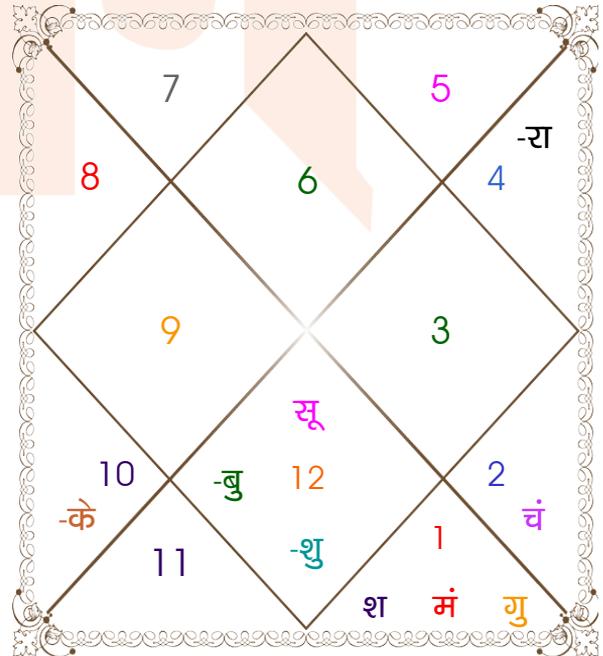
चित्रपक्षीय अयनांश

23:51:23

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre

Brahmavidyapeeth Shukatiirtha

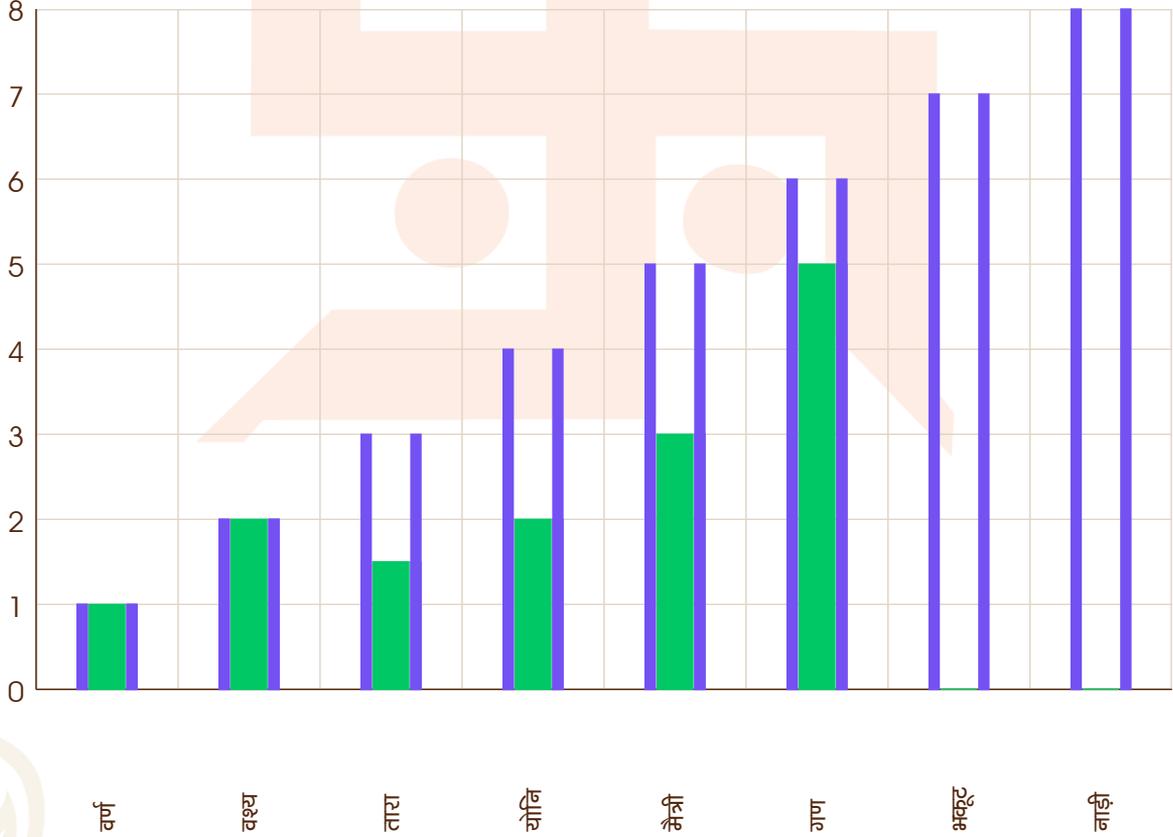
9897180017

ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

कुल : 14.5 / 36



निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

भूमंडज का वर्ण क्षत्रिय तथा Shakshi का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Shakshi आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Shakshi की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

भूमंडज का वश्य चतुष्पद है एवं Shakshi का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप भूमंडज एवं Shakshi दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

भूमंडज की तारा वध तथा Shakshi की तारा क्षेम है। भूमंडज की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। भूमंडज बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। भूमंडज को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Shakshi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

भूमंडज की योनि गज है तथा Shakshi की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी।

अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में भ्रमंडज एवं Shakshi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

भ्रमंडज का गण मनुष्य तथा Shakshi का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Shakshi सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर भ्रमंडज व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण भ्रमंडज अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भ्रमंडज

भ्रमंडज से Shakshi की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Shakshi से भ्रमंडज की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण भ्रमंडज गुस्सेल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Shakshi समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर भ्रमंडज शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

भ्रमंडज की नाड़ी मध्य है तथा Shakshi की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की

मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में भ्रमउंदज एवं Shakshi का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

भूमंडज की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा Shakshi की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष राशि है। चूंकि अग्नि एवं पृथ्वी में समानताएं कम एवं असमानताएं अधिक हैं अतः इनकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमताएं विद्यमान रहेंगी जिससे ये समय समय पर व्यवधानों का सामना करेंगे। अतः भूमंडज और Shakshi दोनों को आपसी सांमजस्य एवं सहनशीलता के भाव को प्रदर्शित करना पड़ेगा तभी किंचित समता हो सकती है।

भूमंडज की राशि मेष एवं Shakshi की राशि वृष दोनों एक दूसरे की सम हैं। अतः राशि के प्रभाव से भूमंडज परिश्रमी, पराकामी, शीघ्र आवेग में आने वाले, अपने को श्रेष्ठ समझने वाले, असंयत अधिक व्यय करने वाले, बातूनी तथा आशावादी प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे परन्तु Shakshi गम्भीर एवं अल्प भाषी, व्यावहारिक, अभिमानी तथा निराशावादी होंगी। इस प्रकार इनमें विषमताओं की प्रबलता रहेगी परन्तु एक दूसरे को समझने तथा परस्पर सांमजस्य से इसमें किंचित न्यूनता कर सकते हैं। आप दोनों की राशि एक दूसरे की राशि से द्वितीय-द्वादश में पड़ती है अतः इससे आपके व्यय में वृद्धि रहेगी फलतः आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

भूमंडज का वर्ण क्षत्रिय होने के कारण वह साहसी परिश्रमी एवं उत्साही व्यक्ति होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिश्रम एवं योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। Shakshi का वैश्य वर्ण होने के कारण व्यापारिक बुद्धि का प्रदर्शन करेंगी तथा बुद्धिमता से धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता प्रदान करने में उनका प्रमुख योगदान रहेगा।

धन

भूमंडज और Shakshi की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया भूमंडज और Shakshi समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Shakshi की प्रवृत्ति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही भूमंडज भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए भूमंडज और Shakshi

को अपनी ऐसी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

भ्रमंडज और Shakshi दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ ही भ्रमंडज के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिए भ्रमंडज को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से भ्रमंडज और Shakshi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Shakshi के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Shakshi को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

भ्रमंडज और Shakshi बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः भ्रमंडज और Shakshi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shakshi के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Shakshi के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Shakshi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता

पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Shakshi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

भ्रमंडज तथा सास के संबंधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि भ्रमंडज तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में भ्रमंडज के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी भ्रमंडज को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। भ्रमंडज समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबंधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण भ्रमंडज के प्रति अनुकूल ही रहेगा।